भीम प्रज्ञा अलर्ट
एक सब क्या गिरा और नौटंकी ग्रेविटी खोज की लेकिन यहां इंसान रोज गिरता जा रहा है पर कोई इंसानियत नहीं खोज पा रहा है।

RNI NO.RAJHIN/2016/70602 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-09 | अंक-254 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 8 नवम्बर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सीएसआईआर-सीरी में उन्नत औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर कौशल विकास कार्यक्रम संपन्न

समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भेंट किए गए

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

पिलानी स्थित सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान के जयपुर परिसर में आरआईआईसीओ, राजस्थान के सहयोग से आयोजित एक माह के उन्नत आईआईओटी कौशल विकास कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों से 30 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में विज्ञान भारती राजस्थान के सचिव डॉ मेघेन्द्र शर्मा मुख्य अतिथि थे। प्रशिक्षण में एम्बेडेड सिस्टम, सेंसर इंटीग्रेशन, पीसीबी डिजाइन, सॉफ्टवेयर विकास, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसे व्यावहारिक विषयों पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. मेघेन्द्र शर्मा, सचिव, विज्ञान भारती राजस्थान ने सीएसआईआर-सीरी द्वारा महिलाओं को उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण देने के प्रयासों की सराहना की। प्रशिक्षण के दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने भी छात्राओं को "विकसित भारत @2047" के लक्ष्य में योगदान देने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समन्वय डॉ. विजय चटर्जी ने किया तथा श्री साईं कृष्णा वड्डादी और डॉ. सचिन देवासी सहित अन्य वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्र वितरण और प्रतिभागियों की उत्साही प्रतिक्रियाओं के साथ हुआ, जिससे सीएसआईआर-सीरी की भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईओटी में कुशल मानव संसाधन तैयार करने की प्रतिबद्धता और मजबूत हुई।